ऑनलाइन गेमिंग की आड़ में सट्टेबाजी के करोड़ों रु. के नेटवर्क का पर्दाफाश

7 आरोपी गिरफ्तार, 50 से अधिक बैंक खाते और 35 से ज्यादा यूपीआई आईडी ब्लॉक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ऑनलाइन गेमिंग की आड़ में सट्टेबाजी का संगठित नेटवर्क चलाकर करोड़ों रुपए का संदिग्ध लेनदेन करने वाले गिरोह का करणी विहार थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस मुख्यालय की ओर से चलाए जा रहे म्यूल हंटर अभियान के तहत जयपुर पश्चिम पुलिस की साइबर सेल और तकनीकी शाखा ने कार्रवाई करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से जुड़े 50 से अधिक बैंक खाते और 35 से ज्यादा यूपीआई आईडी ब्लॉक करवाई गई हैं। इन खातों में करोड़ों रुपए का संदिग्ध लेनदेन सामने आया है।

डीसीपी पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत ऑनलाइन गेमिंग की आड़ में सट्टेबाजी और साइबर ठगी की रकम को ठिकाने लगाने वाले नेटवर्क का खुलासा किया गया है। प्रोबेशनर आईपीएस अदिति उपाध्याय के सुपरविजन में जयपुर पश्चिम की साइबर सेल और तकनीकी शाखा ने कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी

- **पुलिस ने आरोपियों के बैंक खातों में 5 लाख रु. फ्रीज कराए; क्रिप्टो वॉलेट के 3200 यूएसडीटी भी रोके**

ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी की वेबसाइटों के पैनल खरीदकर उनका संचालन कर रहे थे। उनके पास एक मास्टर आईडी भी मिली है, जिसके माध्यम से सट्टेबाजी का नेटवर्क चलाया जा रहा था। इन प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को ऑनलाइन सट्टा खिलाया जाता था, जिसमें अधिकांश लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था।

अजमेर और बालोतरा के आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने मदनगंज-किशनगढ़, अजमेर निवासी वैकेंद्र यादव (31), बालोतरा निवासी मुकेश गुर्जर (27), पचपदरा, बालोतरा निवासी रमेश कुमार जाट (22), समदड़ी रोड, बालोतरा निवासी रमेश कुमार जाट (26), मदनगंज-किशनगढ़ निवासी शैलेन्द्र शर्मा (26) और रोहित मेघवाल (23) तथा बालोतरा निवासी लक्ष्मण कुमार (25) को गिरफ्तार किया है।

50 बैंक खाते और 35 यूपीआई आईडी ब्लॉक

जांच में आरोपियों से जुड़े 50 से अधिक बैंक खातों और 35 से ज्यादा यूपीआई आईडी का पता चला है। पुलिस ने इन्हें ब्लॉक करवाया है। बैंक खातों में उपलब्ध करीब पांच लाख रुपए की राशि भी फ्रीज करवाई गई है। इसके अलावा आरोपियों से जुड़े क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट में मौजूद करीब 3200 यूएसडीटी ब्लॉक करवाए गए हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 3.50 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी सट्टेबाजी से प्राप्त रकम के लेनदेन के लिए अलग-अलग बैंक खातों, यूपीआई आईडी और यूएसडीटी वॉलेट का इस्तेमाल कर रहे थे। जांच में क्रिप्टोकरेंसी से डिजिटल करेंसी में लेनदेन किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

19 मोबाइल, लैपटॉप और 20 सिम जब्त

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 19 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप और 20 सिम कार्ड जब्त किए हैं। जब्त उपकरणों के साथ मास्टर आईडी, बैंक खातों, यूपीआई आईडी और क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट का तकनीकी विश्लेषण किया जा रहा है। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क से कई अन्य लोग भी जुड़े हो सकते हैं।

पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। साथ ही ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी के पैनल उपलब्ध कराने वाले लोगों, नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों और वित्तीय लेनदेन में शामिल लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस का प्रयास है कि डिजिटल उपकरणों और वित्तीय रिकॉर्ड के तकनीकी विश्लेषण के जरिए पूरे नेटवर्क की कड़ियों का पता लगाया जाए और सट्टेबाजी से जुड़ी रकम के लेनदेन में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके।

जयपुर में मिलावटी 2960 किलो सूजी-मैदा और बेसन सीज किया

खाद्य सुरक्षा टीमों ने 4 प्रतिष्ठानों पर छापे मारकर सैंपल लिए; 25 किलो खराब सामग्री नष्ट करवाई



खाद्य सुरक्षा टीम ने जयपुर के 4 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करके मिलावटी खाद्य पदार्थों को सीज किया।

जयपुर (कासं)। प्रदेश में चल रहे "शुद्ध आहार-मिलावट पर वार" अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने मंगलवार को जयपुर में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार प्रतिष्ठानों की जांच की। इस दौरान करीब 2960 किलो सूजी, मैदा और बेसन सीज किए गए, जबकि 25 किलो खराब खाद्य सामग्री नष्ट करवाई गई। टीम ने खाद्य पदार्थों के 7 नमूने भी जांच के लिए लिए।

- **बिना जानकारी दिए दूसरी जगह कारोबार कर रही थी महेश्वरी फूड प्रोडक्ट्स**

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह के मार्गदर्शन और संयुक्त आयुक्त वी.पी. शर्मा की निगरानी में केंद्रीय खाद्य सुरक्षा दल ने जांच अभियान चलाया। जांच में महेश्वरी फूड प्रोडक्ट्स का सरना डूंगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित लाइसेंस में दर्ज पता बंद मिला। पूछताछ में सामने आया कि फर्म ने करीब छह महीने पहले विभाग को सूचना दिए बिना वीकेआई में दूसरी जगह कारोबार शुरू कर दिया था। यह इकाई खाद्य लाइसेंस में भी दर्ज नहीं थी। यहां साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा संबंधी कमियां मिलने पर टीम ने 2960 किलो सूजी, मैदा और बेसन सीज कर तीन नमूने लिए। खाद्य सुरक्षा दल ने लक्ष्मी बेकर्स की निर्माण इकाई से नानखताई बिस्किट और सुमन गोल्ड वनस्पति के दो नमूने लिए। गोपालपुरा स्थित रिद्धि सिद्धि स्वीट्स और सहकार मार्ग स्थित दूध मिष्ठान भंडार से मावा मिठाई के एक-एक नमूने लिए गए। रिद्धि सिद्धि स्वीट्स से 25 किलो अखाद्य सामग्री नष्ट करवाई गई। विभाग के अनुसार चारों प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा संबंधी कमियां मिलने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 की धारा 32 के तहत सुधार नोटिस जारी किए जाएंगे। विभाग ने खाद्य कारोबारियों को निर्माण, भंडारण और बिक्री के दौरान स्वच्छता का पालन करने के निर्देश दिए हैं।

एमजीडी गर्ल्स स्कूल में "मॉडल यूनाइटेड नेशंस" का आयोजन

देश के 11 प्रमुख स्कूलों के विद्यार्थी इस सम्मेलन में शामिल हुए



जयपुर। महारानी गायत्री देवी गर्ल्स स्कूल में 2 से 4 नवंबर तक एमजीडी एमयूएन (मॉडल यूनाइटेड नेशंस) के 10वें संस्करण का शानदार आयोजन किया गया। "यतो धर्म: ततो जय:" के ध्येय वाक्य के साथ आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के 11 प्रमुख स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन 2 नवंबर को स्कूल की डायरेक्टर अर्चना एस. मानकोटिया के करकमलों से हुआ।

सम्मेलन में पारंपरिक कमेटियों से अलग दो नई कमेटियाँ मुख्य आकर्षण रहीं। गोलमाल मंडपम कमेटी में प्रतिभागियों ने राष्ट्राध्यक्ष के रूप में देशों के आंतरिक संकटों पर मंथन किया, वहीं सिटी पंचायत में विद्यार्थियों ने मेयर की भूमिका निभाते हुए शहर की सफाई व्यवस्था और नागरिक समस्याओं पर सार्थक विचार रखे। आयोजन में कुँवरानी अंबिका सिंह ने भी विशेष रूप से शिरकत कर विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। बुधवार को आयोजित समापन समारोह में विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव उपेंद्र सिंह रावत मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर डेली कॉलेज, इंदौर को सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधिमंडल (बेस्ट डेलीगेशन) घोषित किया गया। इस दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रमेंद्र खंगारोत, प्रशासनिक अधिकारी कर्नल एस. एस. सांगवान और सभी कोऑर्डिनेटर उपस्थित रहे। राष्ट्रगान और धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्मेलन का सफल समापन हुआ।

अस्पतालों की बुनियादी सुविधाओं को पूरा करने के लिए प्रशासनिक आश्वासन नहीं, ठोस सुधार हों : हाईकोर्ट

- **अदालत ने कहा कि मामले में राज्य सरकार की ओर से की जा रही कार्रवाई को देखते हुए जनहित याचिका को बंद किया जा रहा है, लेकिन इसमें शामिल मुद्दे के महत्व को देखते हुए राज्य सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह शेष कमियों को दूर करने के लिए निरंतर गंभीर व ठोस कोशिश करते रहेंगे।**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि प्रदेश के अस्पतालों की बुनियादी सुविधाओं को पूरा करने के लिए किए गए उपाय मात्र प्रशासनिक आश्वासनों तक सीमित ना रहे, बल्कि इसे ठोस और प्रभावी रूप से लागू किया जाए। सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश असीम सिमलोट की ओर से दायर जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि मामले में राज्य सरकार की ओर से की जा रही कार्रवाई को देखते हुए अब इन जनहित याचिका को बंद किया जा रहा है, लेकिन इसमें शामिल मुद्दे के महत्व को देखते हुए राज्य सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह शेष कमियों को दूर करने के लिए निरंतर गंभीर व ठोस कोशिश करते रहेंगे। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि अस्पतालों में बुनियादी सुविधा और मानकों की पालना नहीं की जा रही है। इसके तहत भारतीय स्वास्थ्य मानक बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स और फायर सुरक्षा मापदंड शामिल हैं। याचिका में कहा गया की सीएजी की साल 2024 की रिपोर्ट में भी इस संबंध में स्पष्ट कमियां बताई गई हैं, लेकिन फिर भी राज्य सरकार की ओर से मामले में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया जा रहा। इसके चलते सरकारी दवाओं के सेवन से मौत और अस्पताल में आग लगने की घटनाएं हुई। इसके अलावा अस्पतालों में चिकित्सीय लापरवाही के पीडितों के लिए एक समान मुआवजा नीति नहीं होने से प्रभावितों के साथ असमान व्यवहार होता है। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने स्वयं एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर का दौरा किया था। जिसमें टूटी छत सहित अन्य मूलभूत कमियां मिली।

महापौर सुनील कोठारी से मिले भुवनेश्वर के 7 सदस्यीय प्रतिनिधि

जयपुर (कासं)। जयपुर नगर निगम के महापौर सुनील कोठारी से बुधवार को नगर निगम मुख्यालय में भुवनेश्वर से आए सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में उपमहापौर मंजुलता सहित पार्षद शामिल रहे। महापौर ने सभी का स्वागत एवं सम्मान किया। प्रतिनिधिमंडल ने भुवनेश्वर नगर निगम की कार्यप्रणाली और वहां सामने आ रही चुनौतियों की जानकारी साझा की। वहीं, महापौर सुनील कोठारी ने जयपुर नगर निगम की ओर से प्लांट संचालन, कचरा पृथक्करण, सीवरेज, नगरीय विकास कर और स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर उपमहापौर सरोज कंवर, अतिरिक्त आयुक्त नरेंद्र बंसल, वित्तीय सलाहकार और उपायुक्त ओम थानवी मौजूद रहे। भुवनेश्वर के प्रतिनिधियों में उपमहापौर मंजुलता के साथ पार्षद रमाचंद्रा, अपारूपा, जशोधरा प्रधान, सुचित्रा पात्रा, लक्ष्मी प्रिया व गीतांजलि शामिल थीं।

सार-समाचार

ग्रामीण महिलाओं के हुनर और राजस्थानी जायकों के साथ राजीविका मेला संपन्न



जयपुर (कासं)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) की ओर से इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान (आईजीपीआरएस) परिसर में आयोजित आठ दिवसीय राजीविका दिवाली मेला-2026 बुधवार को उत्साह और यादगार पलों के साथ संपन्न हुआ। मेले के अंतिम दिन भी खरीदारों और खानपान के शौकीनों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने जमकर खरीदारी की और राजस्थानी व्यंजनों का आनंद लिया। मेले में 100 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिला उद्यिमयों ने हस्तनिर्मित अचार-पापड़, पारंपरिक खाद्य सामग्री, चमड़े की जूतियां, सजावटी वस्तुएं और घरेलू उपयोग के उत्पाद प्रदर्शित किए। कोटा डोरिया की साड़ियां, मोडाल सिल्क, अजरख, बगरू प्रिंट और बंधेज के परिधानों की विशेष मांग रही। वहीं, टेराकोटा, मीनाकारी, कशीदाकारी, जयपुर की प्रसिद्ध ब्लू पॉटरी और सवाई माधोपुर की ब्लैक पॉटरी ने भी आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया। फूड स्टॉल्स पर राजस्थानी थाली और पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। मेले में आयोजित पपेट शो ने बच्चों और बड़ों का मनोरंजन किया और खूब तालियां बटोरीं। रात में रोशनी से जगमगाता मेला परिसर भी आकर्षण का केंद्र बना रहा। समापन अवसर पर राजीविका की परियोजना निदेशक (प्रशासन) प्रीति सिंह ने प्रतिभागी महिला उद्यिमयों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। उन्होंने बिक्री और प्रदर्शन के आधार पर उत्कृष्ट तीन महिला उद्यिमयों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। आठ दिवसीय मेले ने ग्रामीण महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन, बिक्री और सीधे ग्राहकों से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। साथ ही राजस्थान की पारंपरिक कला, संस्कृति और हस्तशिल्प को व्यापक पहचान दिलाई।

राहुल गांधी नेता प्रोपेगेंडा बन गए हैं : राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद मदन राठौड़ ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद से भागने वाला व्यक्ति बहस की चुनौती दे, यह अच्छा नहीं लगता। राहुल गांधी जब से नेता प्रतिपक्ष बने हैं, ऐसा लगता है कि वे नेता प्रतिपक्ष नहीं, बल्कि नेता प्रोपेगेंडा बन गए हैं। उनका मकसद झूठे आरोप लगाकर सुर्खियों में बने रहना है। राठौड़ ने कहा कि राहुल गांधी में हिम्मत है तो संसद में आकर बहस करें। भाजपा विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार है। ईवीएम, एसआईआर और घुसपैठियों सहित किसी भी मुद्दे पर सदन में चर्चा हो सकती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज उठाने का बेहतर मंच संसद है। सड़क पर फैसले लेने की बात लोकतंत्र नहीं, अराजकता की स्थिति पैदा करती है। राठौड़ ने आरोप लगाया कि आजादी के बाद पहले चुनाव में अबुल कलाम आजाद को जिताने और बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर को हराने के लिए कांग्रेस ने हथकंडे अपनाए थे। उन्होंने कहा कि बाबा साहब को हराने के लिए वैध मतों को खारिज किया गया और अबुल कलाम के पक्ष में विपक्ष के वोट अपनी मतपेटियों में डलवाए गए। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जो पार्टी खुद ऐसे हथकंडे अपना चुकी है, वह आज वोट चोरी की बात कर रही है।

डकैती-हत्या के आरोपियों को सजा

जयपुर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने डकैती के लिए चिकित्सक के घर में घुसकर उसकी हत्या करने वाली उसकी पुरानी नौकरानी नेपाल निवासी खिन्तु उर्फ अन्नु, सुरेश दीप शाही और पुष्पा शाह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वहीं अदालत ने एक अन्य पदम बहादुर शाही को बरी कर दिया है। प्रकरण से जुड़े आरोपी कालू सिंह, दीपक ठाकुर और पीयूष वांछित है, जबकि आरोपी गोविंद बहादुर और धीरेन्द्र बहादुर जमानत लेने के बाद गायब हो गए। इस पर अदालत ने इन्हें फरार घोषित कर दिया। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक एसएच खान ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर अर्शिया भारती ने 19 सितंबर, 2022 को वैशाली नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा कि आज वह अस्पताल में ड्यूटी पर थी। करीब डेढ बजे उनके घर की पुरानी बाई अन्नु अपने साथ तीन लडकों को लेकर आई थी। मरीज बनकर आए इन लोगों ने उनके पिता डॉ. इकबाल भारती से चाबियां मांगी। जब उन्हें चाबी नहीं दी तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और गंभीर रूप से घायल कर बाथरूम में बंद कर दिया। इसके बाद वह अलमारी और बेडरूम से सोना और नकदी आदि लूटकर ले गए। वहीं बाद में इलाज के दौरान इकबाल भारती की मौत हो गई। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया कि अभियुक्तों ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देने के लिए योजनाबद्ध तरीके से प्लान बनाया। घटना के दिन पुरानी बाई के साथ कुछ आरोपी मरीज बनकर अंदर गए और दो आरोपियों ने बाहर से ध्यान रखा। वहीं विरोध करने पर डॉ. इकबाल की हत्या कर दी गई।

तालकटोरा में आठवीं की छात्रा का शव मिला

जयपुर। माणक चौक इलाके में बुधवार सुबह तालकटोरा में 14 वर्षीय किशोरी का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम ने करीब 20 मिनट तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर शव बाहर निकाला। पुलिस ने शव को सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

माणक चौक थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे स्थानीय लोगों ने तालकटोरा में शव दिखाई देने की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी थी। इस पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कर शव बाहर निकाला। तालकटोरा की सीढ़ियों पर किशोरी की चप्पल और जैकेट भी मिली थी। पुलिस ने सामान के आधार पर परिजनों को मौके पर बुलाया, जहां उन्होंने शव की पहचान की। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि

- **कम अंक आने से परेशान थी किशोरी**
- **रात को मां से बात कर सोई थी, सुबह कमरे से मिली लापता**

किशोरी आठवीं कक्षा में पढ़ती थी और कक्षा परीक्षा में कम अंक आने के कारण पिछले कुछ दिनों से परेशान थी। मंगलवार रात उसने मां से बातचीत की और इसके बाद सोने चली गई थी। सुबह करीब चार बजे मां की नींद खुली तो किशोरी कमरे में नहीं मिली। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और पुलिस को उसके लापता होने की सूचना भी दी। इसी दौरान तालकटोरा में शव मिलने की जानकारी मिली। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी में परीक्षा में कम अंक आने को लेकर उसकी परेशानी की बात सामने आई है। मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम और जांच के बाद ही हो सकेगी।

राजस्थान में किसान बेहाल, भ्रष्टाचार और अराजकता का माहौल : पवन खेड़ा

जयपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए प्रदेश में भ्रष्टाचार, अराजकता और बदहाल व्यवस्थाओं का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जैसलमेर सहित प्रदेश के कई जिलों के दौरे में किसानों और पशुपालकों की परेशानियां सामने आई हैं। किसानों को नकली खाद-बीज मिल रहा है, पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही और पशुओं का चारा 1800 रुपए प्रति क्विंटल बिक रहा है। प्रदेश में कम बारिश के बावजूद सरकार ने अकाल प्रबंधन की कोई ठोस तैयारी नहीं की। अब तक न चारा डिपो खोले गए और न ही जिला व तहसील स्तर पर अकाल की रिपोर्ट तैयार करवाई गई।

खेड़ा ने आरोप लगाया कि, मुख्यमंत्री को किसानों, चिकित्सा और कानून व्यवस्था की चिंता नहीं है। कांग्रेस सरकार की चिकित्सा योजनाएं बंद करने से गरीब, मजदूर और वंचित वर्ग परेशान हैं। गर्भवती महिलाओं की मौतों के बावजूद चिकित्सा व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा।



कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा बुधवार को मीडिया से रूबरू हुए।

पिछले तीन वर्षों में भाजपा सरकार ने कांग्रेस की अच्छी योजनाओं को बंद करने या उनके नाम बदलने का काम किया है। योजनाओं के नाम बदलने हैं तो बदल दें, लेकिन उन्हें बंद नहीं किया जाना चाहिए। पवन खेड़ा ने मुख्यमंत्री कार्यालय में शिखर अग्रवाल की नियुक्ति को लेकर मुख्यमंत्री से जवाब मांगा।

उन्होंने पूछा कि यह नियुक्ति भजनलाल शर्मा ने स्वयं की थी या दिल्ली से संदेश आने के बाद हुई। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की नियुक्तियों

- **खेड़ा ने आईएएस शिखर अग्रवाल की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए**

के लिए दिल्ली से आदेश आने की चर्चा है, ऐसे में मुख्यमंत्री को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। खेड़ा ने दावा किया कि राजस्थान का भ्रष्टाचार दिल्ली में भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

खेड़ा ने भाजपा की लोकतंत्र बचाओ रैली और पदयात्रा पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह देश के इतिहास में पहली बार हो रहा है कि सत्ता पक्ष के नेता ही लोकतंत्र बचाने के लिए रैली निकाल रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा नेता लोकतंत्र को खतरे में बता रहे हैं, जबकि केंद्र में सत्ता उन्हीं के हाथ में है।

उन्होंने कहा कि जब सरकार आपकी है और आप ही लोकतंत्र को खतरे में बता रहे हैं तो इसका सीधा मतलब है कि लोकतंत्र को खतरा आपकी ही सरकार से है।

एसआई भर्ती-2016: हाईकोर्ट के फैसले की पालना के लिए सरकार, डीजीपी और आरपीएससी को नोटिस

जयपुर। राजस्थान में सब-इंस्पेक्टर (एसआई) और प्लाटून कमांडर भर्ती-2016 में अनारक्षित वर्ग के पदों की कटौती के मामले में हाईकोर्ट के फैसले की पालना के लिए याचिकाकर्ता आकाश भारद्वाज ने सरकार, पुलिस महानिदेशक और राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) को कानूनी नोटिस भेजा है। अधिवक्ता तनवीर अहमद की ओर से भेजे गए पत्र में 16 अक्टूबर 2026 के हाईकोर्ट के फैसले को समयबद्ध तरीके से लागू करने की मांग की गई है।

आकाश भारद्वाज ने वर्ष 2020 में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि भर्ती विज्ञापन और बाद के संशोधनों के बाद आरक्षण लागू करने से अनारक्षित वर्ग के पद कुल पदों के 50 प्रतिशत से कम हो गए, जो इंद्रा साहनी और आर.के. सभरवाल मामलों में निर्धारित कानून के विपरीत है।

न्यायमूर्ति अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने 16 अक्टूबर को संबंधित याचिकाओं पर साझा फैसला सुनाते हुए पदों का 50 प्रतिशत की सीमा और एससी-एसटी के रिक्त पदों को आगे ले जाने के नियमों के अनुसार पुनर्निर्धारण करने के निर्देश दिए थे। यह प्रक्रिया 90 दिन में पूरी कर कार्मिक विभाग और आरपीएससी की वेबसाइट पर परिणाम प्रकाशित करना होगा। पूरी प्रक्रिया 180 दिन में पूरी करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

हाईकोर्ट के फैसले के पैरा-7 की तालिका के अनुसार, 23 अगस्त 2019 के संशोधन के बाद एसआई (एपी) के 228 पदों में 179 आरक्षित होने से अनारक्षित वर्ग के हिस्से में 49 पद आए, जबकि 130 पदों की कमी बताई गई है। एसआई (आईबी) के 100 पदों में 74 आरक्षित होने से अनारक्षित वर्ग को 26 पद मिले और 48 पदों की कमी रही। वहीं, प्लाटून कमांडर (आरएसी) के 171 पदों में 93 आरक्षित होने के बाद अनारक्षित वर्ग को 84 पद मिले, जबकि 9 पद कम रहे। इस तरह कुल 187 पदों की कमी का दावा किया गया है।

नियुक्त अभ्यर्थियों को नहीं हटाया जाएगा

कोर्ट ने निर्देश दिया है कि एक सितंबर 2020 के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी अभ्यर्थी को हटाया नहीं जाएगा। इसके लिए अतिरिक्त पद सृजित किए जाएंगे। संशोधित मेरिट सूची में आने वाले अभ्यर्थियों की स्थिति पुनर्निर्धारण के 60 दिन के भीतर मेरिट के अनुसार तय कर उन्हें कैडर और वरिष्ठता दी जाएगी। अनारक्षित वर्ग के शेष पद मेरिट के आधार पर भरे जाएंगे तथा वरिष्ठता सूची सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार रोस्टर बिंदुओं के आधार पर तैयार होगी। अधिवक्ता तनवीर अहमद ने आकाश भारद्वाज को संशोधित मेरिट सूची के अनुसार अनारक्षित पद पर एसआई नियुक्ति के लिए विचार करने और कैडर, वरिष्ठता सहित सभी परिणामी लाभ देने की मांग की है। पत्र में कार्रवाई की लिखित सूचना देने को भी कहा गया है।

राहुल गांधी पर टिप्पणी से पहले मदन राठौड़ अपने गिरेबान में झांकें : जूली

जयपुर (कासं)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के राहुल गांधी पर दिए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा वाजिब सवालों का जवाब देने के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों पर उतर आई है। लाइमलाइट में रहने के लिए मदन राठौड़ बिना सोचे-समझे बयान देते हैं और विवाद होने पर मीडिया के सामने सफाई देने लगते हैं।

जूली ने कहा कि राहुल गांधी लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार से जुड़े गंभीर सवाल उठा रहे हैं। भाजपा को इनका जवाब तथ्यों और तर्कों के साथ देना चाहिए। वोट चोरी और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों को व्यक्तिगत टिप्पणियों से नहीं दबाया जा सकता।

- **भाजपा सवालों का जवाब देने के बजाय व्यक्तिगत हमलों पर उतर आती है : जूली**

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना है। जनता के बीच जाकर सवाल उठाना, शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना और मताधिकार की रक्षा के लिए आवाज बुलंद करना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। भाजपा जब तर्कों और तथ्यों के सामने कमजोर पड़ती है, तब व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेती है। भाजपा के किसी नेता में कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकालने का दम नहीं है।